भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 401
दिनांक 22 जुलाई, 2025 के लिए प्रश्न

आंध्र प्रदेश राज्य में पशुपालन हेतु उत्कृष्टता केंद्र

401. श्री डग्गुमल्ला प्रसादा रावः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास आंध्र प्रदेश राज्य में पशुपालन हेतु उत्कृष्टता केंद्र (सीईएएच) की स्थापना करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और इस केंद्र के उद्देश्य एवं अपेक्षित परिणाम क्या हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या इस पहल के लिए कोई धनराशि आवंटित की गई है;

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या इस परियोजना के लिए किसी स्टार्टअप, निजी एजेंसी या अकादमिक संस्था को साझेदारी के लिए सूचीबद्ध किया गया है; और

(च) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो.एस.पी. सिंह बघेल)

(क) और (ख) जी नहीं। हालाँकि, राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत, आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के चडालवाड़ा में देशी बोवाईन नस्लों के विकास और संरक्षण हेतु एक एकीकृत गोपशु विकास केंद्र के रूप में ओंगोल नस्ल हेतु एक गोकुल ग्राम की स्थापना की गई है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत, दक्षिणी क्षेत्र के लिए चिंतलादेवी, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश में एक राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र (NKBC) की स्थापना की गई है, जो देशी बोवाईन नस्लों के जर्मप्लाज्म के भंडार के रूप में तथा वैज्ञानिक और समग्र तरीके से देशी नस्लों के विकास तथा संरक्षण के लिए कार्य करता है।
(ग) (घ) (ङ) और (च) प्रश्न नहीं उठता।

******